गणपति ने प्रथम मनावा | By P R Swami |

गजाननं भूत गणाधि सेवितम्
कपित्थ जम्बू फल सार भक्षितम्
उमासुतं शोक विनाश कारणम्
नमामि विघ्नेश्वर पाद पंकजम्

वक्रतुंड महाकाय
कोटि सूर्य समप्रभ
निर्विघ्नं कुरु मे देव
सर्वकार्येषु सर्वदा

गणपति ने प्रथम मनावा जी
गणपति ने

ऋद्धि सिद्धि लेकर आओ जी गजानन
आओ जी गजानन बैठो जी गजानन
थारे चरण में ढोक लगावा जी
गणपति ने

गणपति ने प्रथम मनावा जी
गणपति ने

अन्न धन से भर द्यो भंडारो
भर द्यो भंडारो म्हारो भर द्यो भंडारो
हो थारे मन में ध्यान लगावा जी
गणपति ने

गणपति ने प्रथम मनावा जी
गणपति ने

पग में थारे घुंघरू बांध कर
घुंघरू बांध कर घुंघरू बांध कर
हो कीर्तन में नाच नचावा जी
गणपति ने

गणपति ने प्रथम मनावा जी
गणपति ने

नहाई धोई कर करा आरती
करा आरती करा आरती
हो बनवारी चंवर डुलावा जी
गणपति ने

गणपति ने प्रथम मनावा जी
गणपति ने
गणपति ने प्रथम मनावा जी
गणपति ने

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a4%a3%e0%a4%aa%e0%a4%a4%e0%a4%bf-%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%a5%e0%a4%ae-%e0%a4%ae%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%be-by-p-r-swami/